पाठ 7. आओ मित्र बनें (चित्रकथा)

जब बच्चे चित्र को देखकर उसका वर्णन करेंगे तो इससे उनकी कल्पना शक्ति का विकास होगा। वे वाक्यों का निर्माण करना सीखेंगे। उनमें अपने भावों को अभिव्यक्त करने की क्षमता उजागर होगी। यही नहीं, इससे भाषा के प्रति उनकी रुचि भी बढ़ेगी।

पाठ में दिए गए चित्र को बच्चों को गौर से देखने को कहें। हर बच्चे से चित्र से संबंधित विचार जानें। चित्र को देखकर एक छोटी-सी कहानी बनाने को कहें।

स्वयं भी चित्र से संबंधित एक छोटी-सी कहानी बनाकर कक्षा में सुनाएँ।

कहानी सुनाने के अलावा चित्र से संबंधित प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं – यह दृश्य कहाँ का है? लोमड़ी क्या कर रही है? बगुला क्या कर रहा है?

इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के भीतर छिपी कला उजागर होती है। भाषा के ज्ञान को बढ़ावा मिलता है। खेल-खेल में भाषा-ज्ञान को विस्तार मिलता है। विचारों के आदान-प्रदान से सामान्य ज्ञान को बढ़ावा भी मिलता है।